

परीक्षार्थी माते एकाच राखवा नये (सहकार्य/स्वराज्य) मुंभा ६-७/६-१७

- अध्यापी तर्कांवि सूचित वीदनीय तर्का उदरवि^(११) परीक्षार्थी राखवळ.
- धानी तर्कांवि मारनीय, ज्ञानावरुणीय एनी अंतराय तर्का द्वारा परीक्षार्थी राखवळ.
- मारनीय तर्कांवि वारित मारनीय द्वारा ७ एनी एडुमि मारनीय द्वारा अष्ट परीक्षार्थी राखवळ शक.
- ज्ञानावरुणीय तर्का उदरवि जो (२) परीक्षार्थी राख शक.
- अंतराय तर्का उदरवि सूचित अष्ट (६) परीक्षार्थी राख शक.

वीदनीय तर्का उदरवि राखता परीक्षार्थी

- १) हिंसा २) पिपासा ३) शान ४) उच्छ्र ५) इंशमशत ६) यथा ७) वध ८) मीठा ९) शिखा १०) वृहस्पति एनी ११) मल
- विनेय्यर भावनानी सूचित वीदनीयना उदरवि^(११) परीक्षार्थी राख शक.

वारित मारनीय तर्का (सुगुप्सा, अरति, पुत्रम/नी वध, लय, डोई, मानसोम)

- १) नाज्य → सुगुप्सा मार. (२) अरति → अरति मार (३) स्त्री → पुत्रम वध मार.
- ४) निष्ठा → लय मार ५) काश्रि → डोई मार ६) यथा → मान मार.
- ७) संस्कार → लोम मार.

ज्ञानावरुणीय तर्का उदरवि: - प्रजा (सद्योपशम द्वारा) एनी राजान (उदरवि द्वारा)

अंतराय तर्का उदरवि: - अस्वाम (सांमंतराय ना उदरवि)

१२ भावनानी ना नाव: -

- (१) अनित्य (२) कशरु (३) संसार (४) कष्टल (५) अन्याय
- (६) कशुयि (७) काश्रि (८) संवर (९) निष्ठा (१०) लोमकश्रि
- (११) नादिकुलम एनी (१२) ईकस्वाम

* नोड: वयारे ज्ञानानी सद्योपशम वध न्यारे ज्ञानावरुणीय तर्का उदरवि राखवळ.

७-७-८ एनी ६ मा गुह्यस्थाने २२ परीक्षार्थी राख शक.